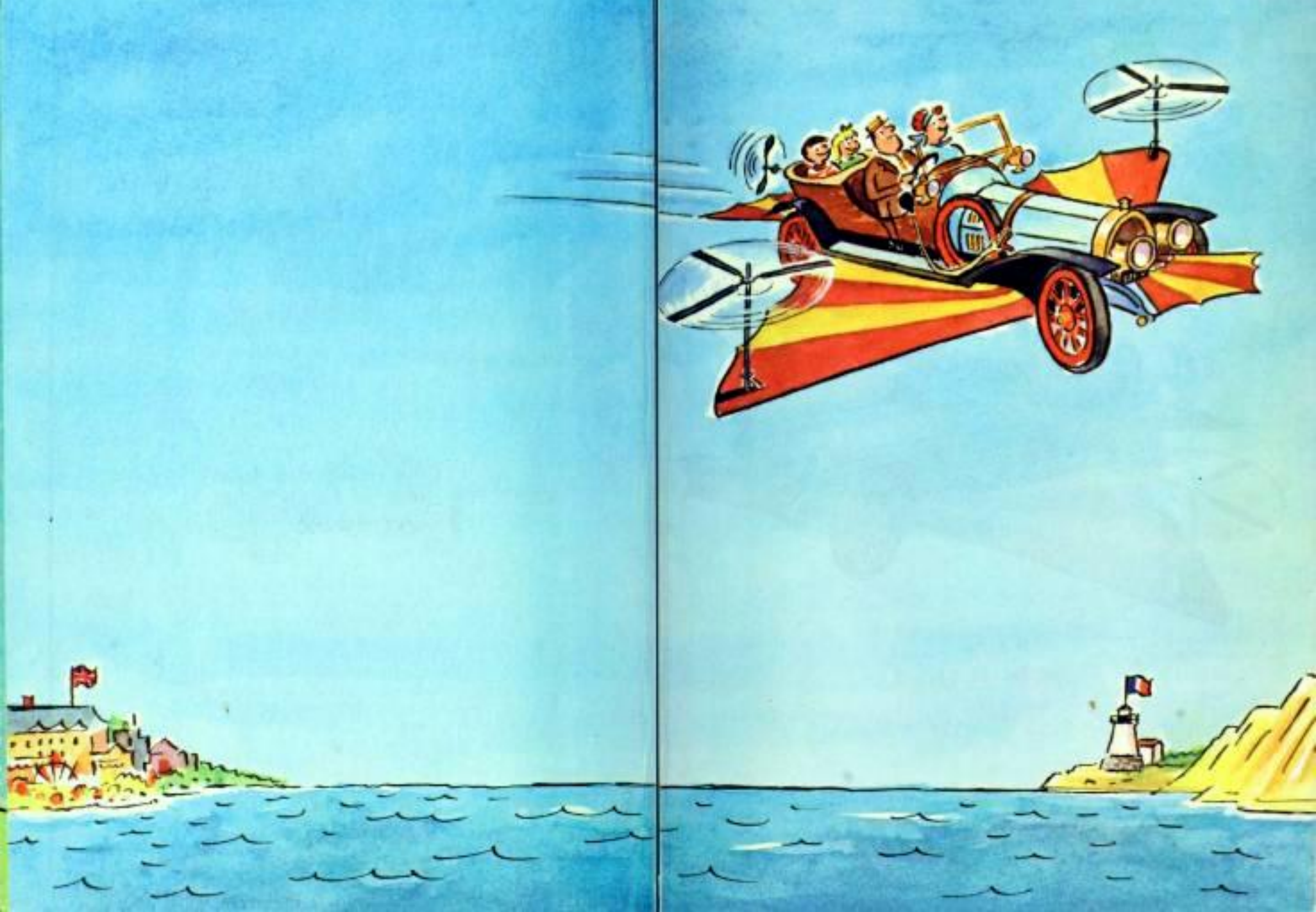
उड़ने वाली जादुई कार







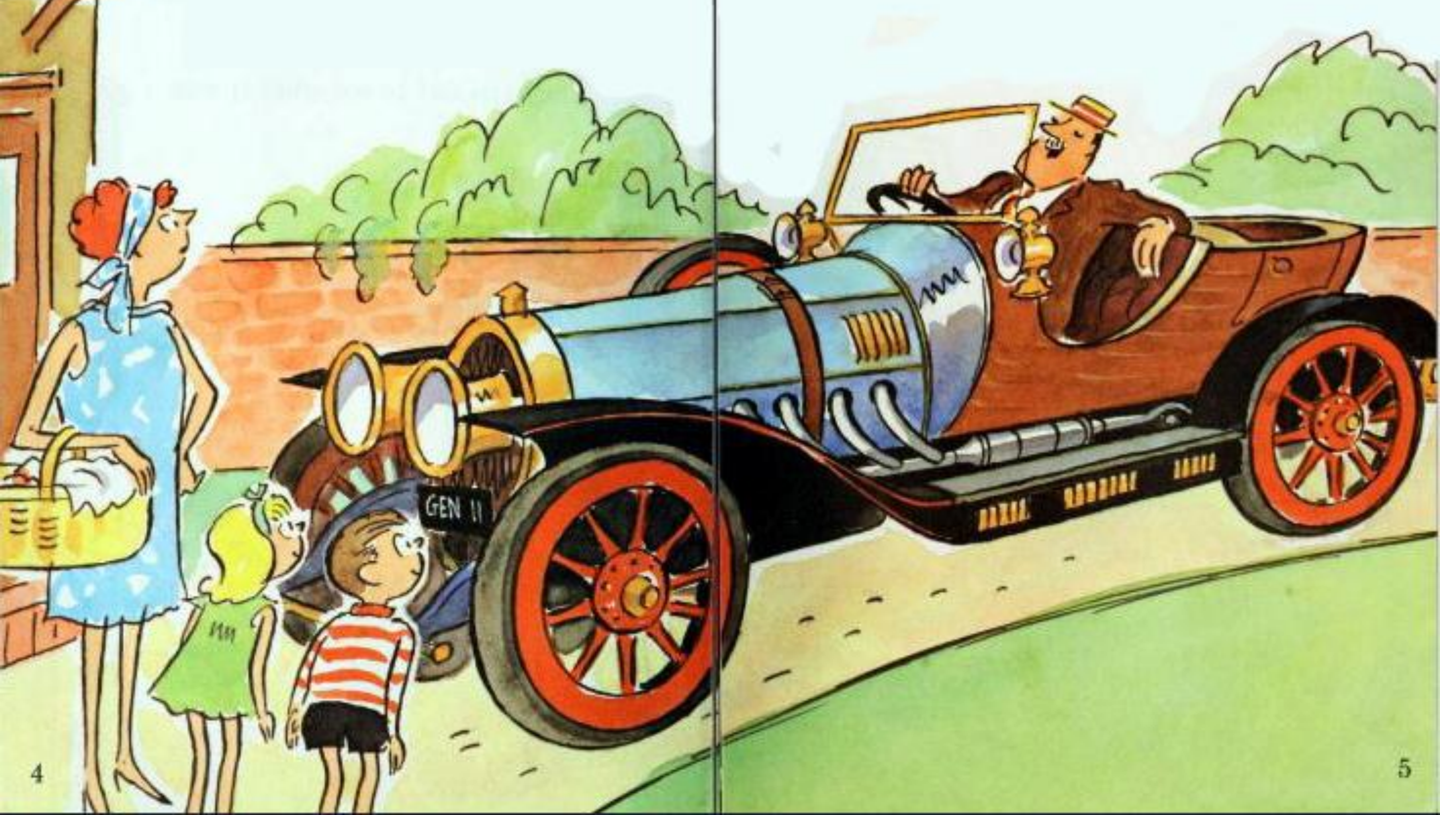
उड़ने वाली जादुई कार चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग की कहानी

जेह्रमी पॉट और उसकी बहन जेमिमा, किचन में थे.
मिसिज़ पॉट सैंडविच बना रही थीं.
उन्हें बाहर कुछ शोर सुनाई दिया.
शोर देखने के लिए वह बाहर आये.



शोर एक बड़ी,
विशाल कार का था.
मिस्टर पॉट उस में बैठे थे.

“यह कार मुझे कबाड़ी-बाज़ार में मिली,”
मिस्टर पॉट ने कहा, “अंदर आओ!
मैं तुम्हें कार की सैर कराऊंगा.”



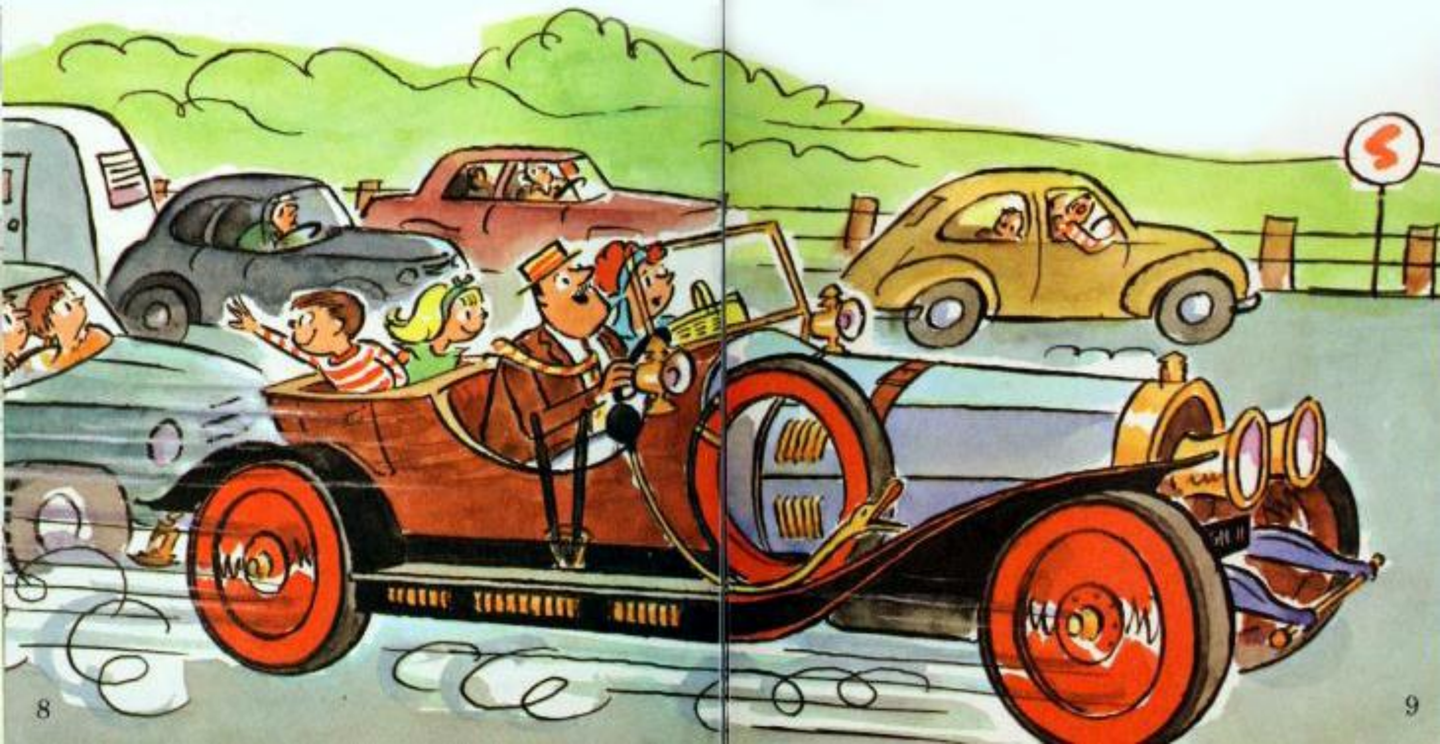
कार में कई प्रकार के बटन
और बत्तिया थीं.
मिस्टर पॉट ने 'स्टार्टर' बटन दबाया.
इंजन शोर करने लगा.
यह आवाज़
'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग' जैसी लग रही थी.

"इस कार का हम यही नाम रखेंगे,"
जेह्मी ने कहा.
"हम इसे 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग' बुलायेंगे."

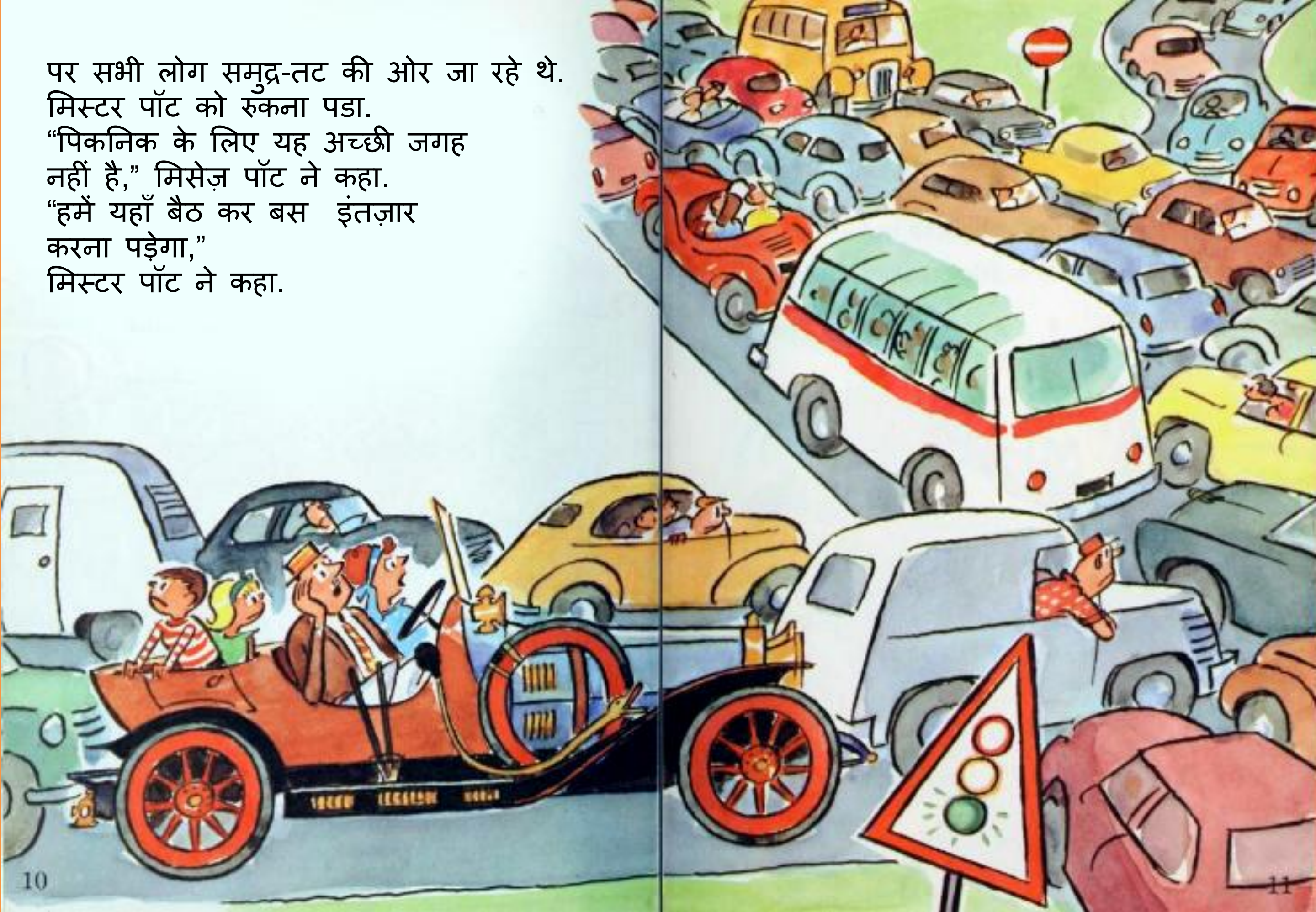


मिस्टर पॉट कार को राजमार्ग पर ले आये.
जल्दी ही 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग'
सौ-मील की रफ्तार से दौड़ने लगी.

"हम जा कहाँ रहे है?" मिसेज़ पॉट ने पूछा.
"समुद्र-तट की ओर," मिस्टर पॉट ने कहा.
"वहाँ हम पिकनिक करेंगे."



पर सभी लोग समुद्र-तट की ओर जा रहे थे.
मिस्टर पॉट को रुकना पडा.
“पिकनिक के लिए यह अच्छी जगह
नहीं है,” मिसेज़ पॉट ने कहा.
“हमें यहाँ बैठ कर बस इंतज़ार
करना पड़ेगा,”
मिस्टर पॉट ने कहा.





तभी कार का एक बटन चमकने लगा!
उस बटन पर लिखा था.



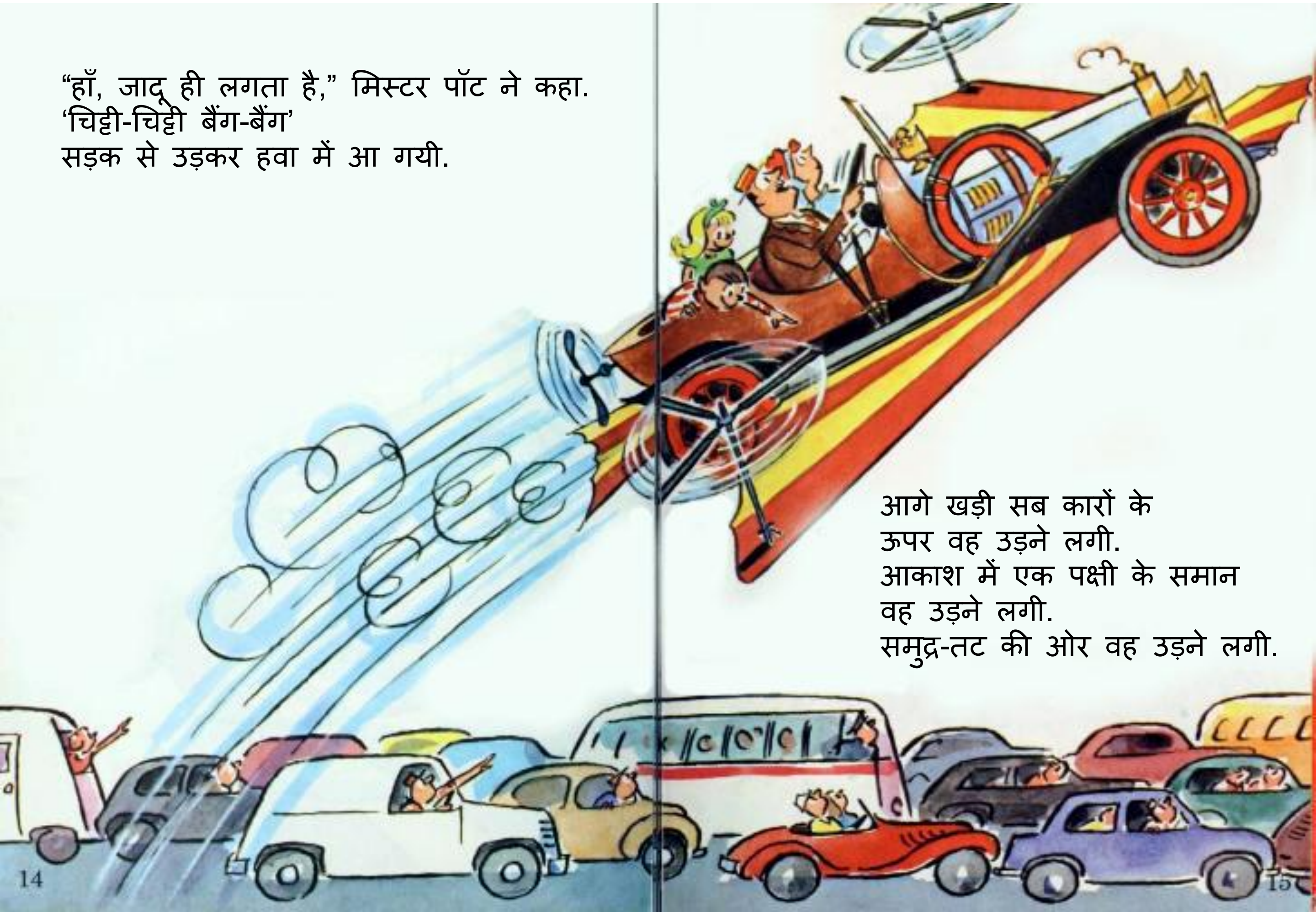
"इसे दबाएं और देखें क्या होता है,"
जेह्मी ने कहा.
मिस्टर पॉट ने बटन दबाया.



इंजन ने कुछ गुनगुनाहट की.
कार हिलने-डुलने लगी.
फिर कार से दो पंख बाहर आये.
हवाई-जहाज़ के पंखों जैसे!
"यह तो जादू है!" जेमिमा चिल्लाई.

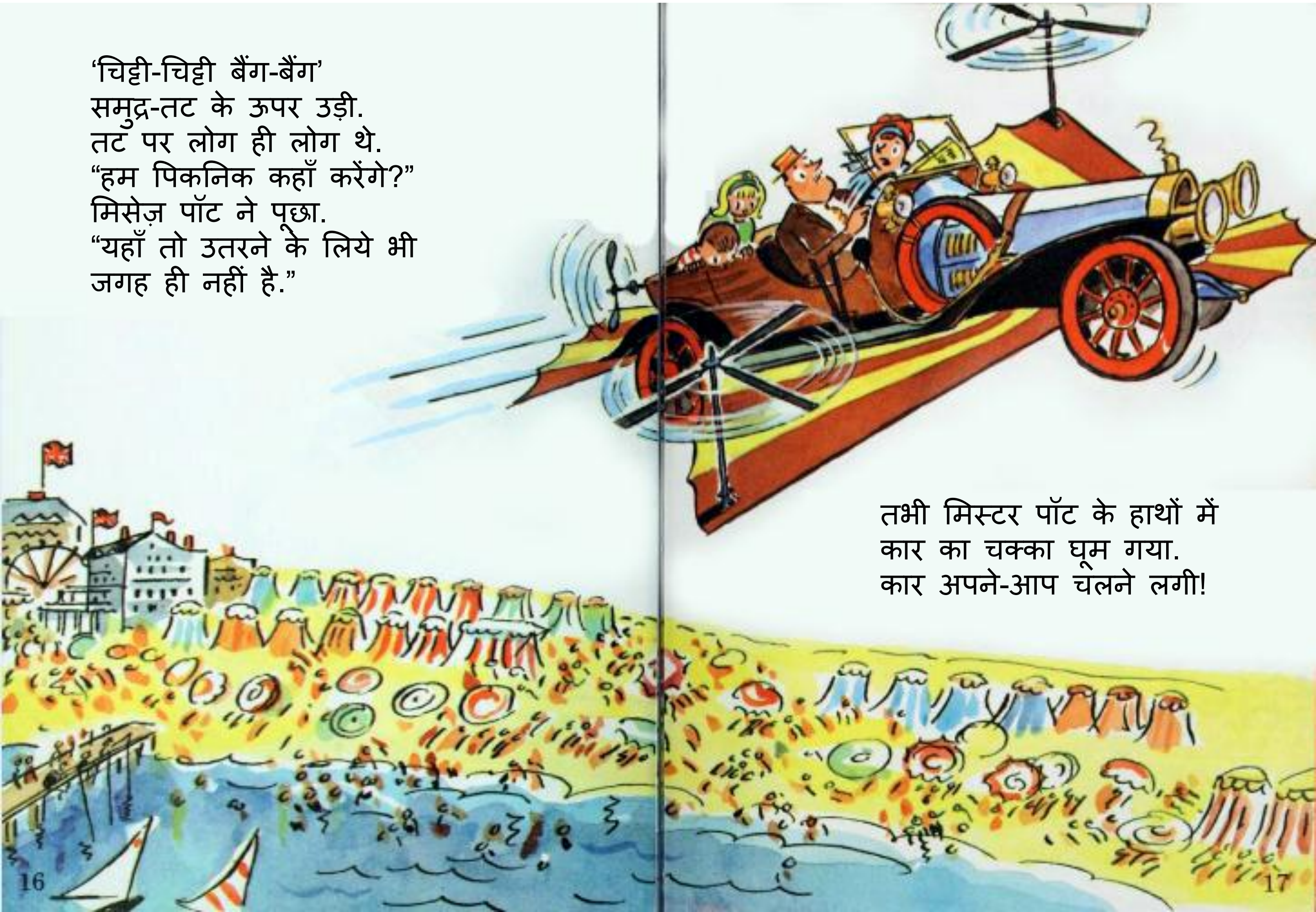


"हाँ, जादू ही लगता है," मिस्टर पॉट ने कहा.
'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग'
सड़क से उड़कर हवा में आ गयी.



आगे खड़ी सब कारों के
ऊपर वह उड़ने लगी.
आकाश में एक पक्षी के समान
वह उड़ने लगी.
समुद्र-तट की ओर वह उड़ने लगी.

‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’
समुद्र-तट के ऊपर उड़ी.
तट पर लोग ही लोग थे.
“हम पिकनिक कहाँ करेंगे?”
मिसेज़ पॉट ने पूछा.
“यहाँ तो उतरने के लिये भी
जगह ही नहीं है.”



तभी मिस्टर पॉट के हाथों में
कार का चक्का घूम गया.
कार अपने-आप चलने लगी!



‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’
समुद्र-तट से दूर चली गयी.
वह समुद्र के ऊपर उड़ने लगी.
धरती को उसने पीछे छोड़ दिया.

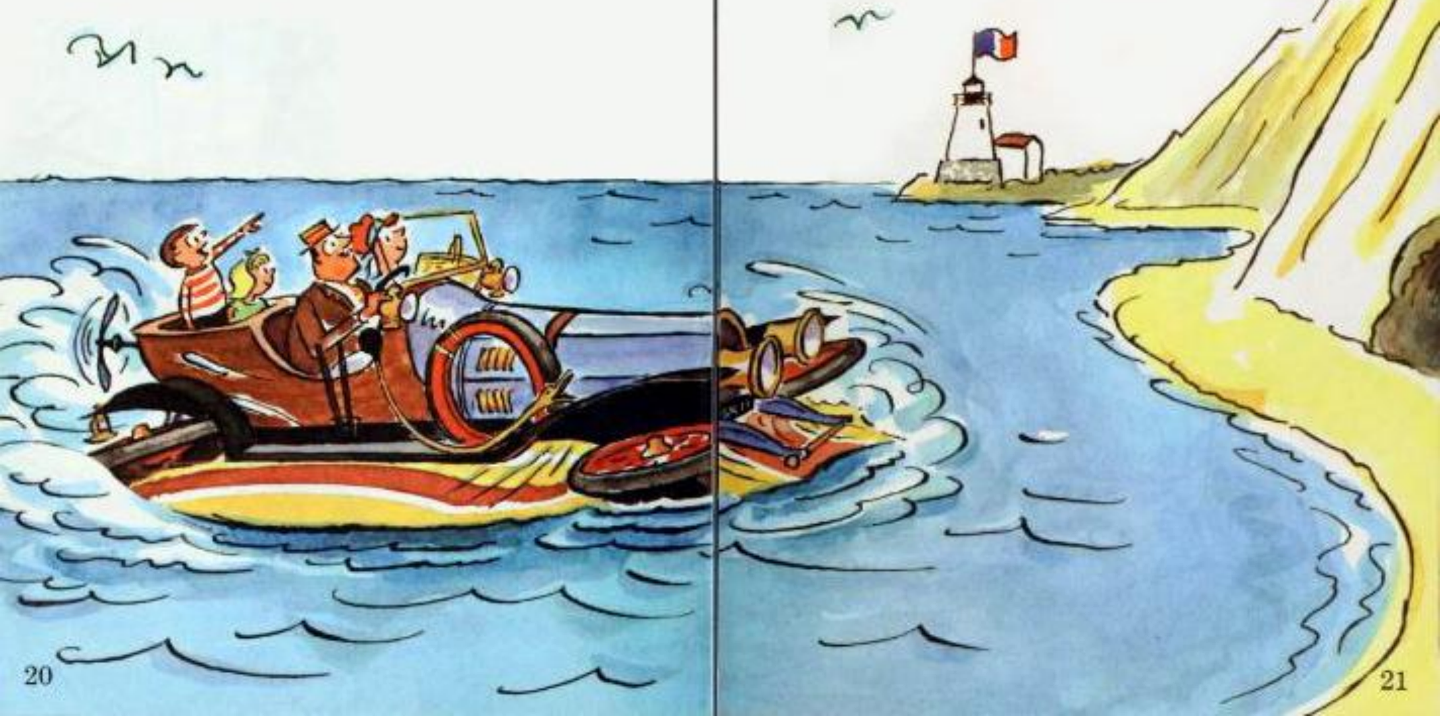


फिर वह नीचे की ओर आने लगी.
वह सीधे लहरों की ओर चल दी.
“हम समुद्र में गिर जायेंगे!”
मिसेज़ पॉट बोलीं. “हम भीग जायेंगे.”



लेकिन 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग'
लहरों से नहीं टकराई.
उसने पंख भीतर खींच लिए
और पानी पर उतर गयी.

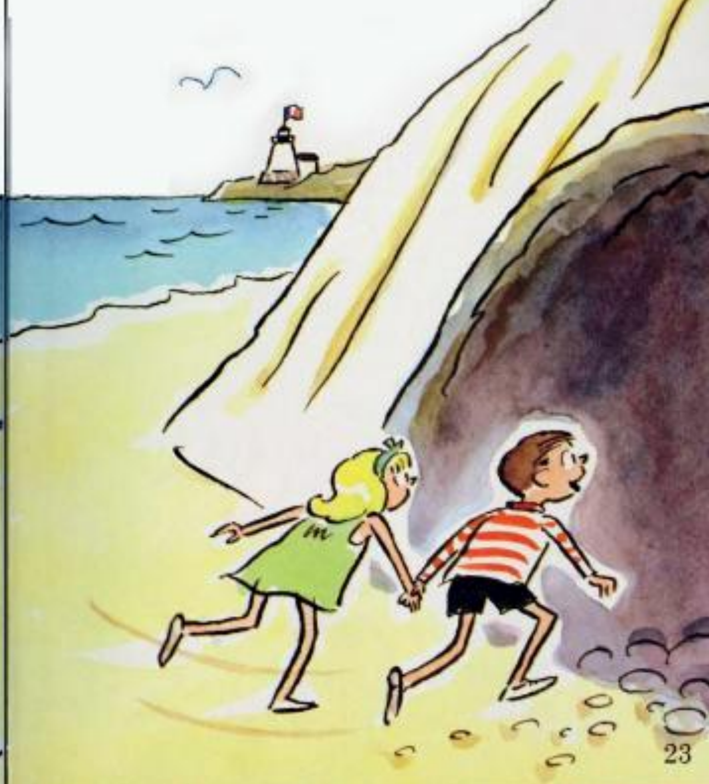
वह समुद्र-तट की ओर चल दी.
"यह फ़्रांस होगा," जेह्मी ने कहा.
"देखो, उस लाइट-हाउस पर
फ़्रांस का झंडा लगा है."



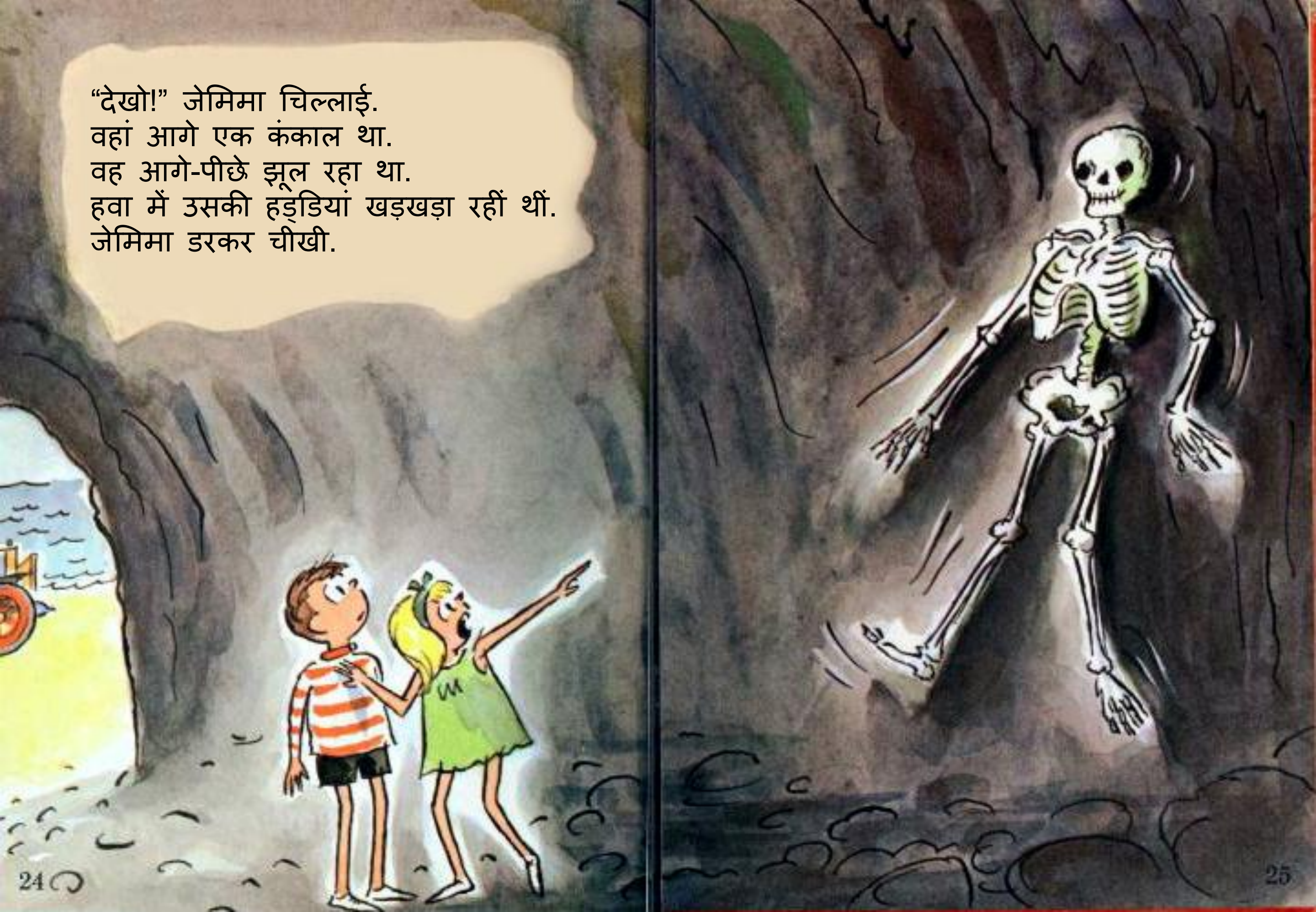
“यहाँ तो कोई भी नहीं है,” मिसेज़ पॉट बोलीं.
“पिकनिक के लिये यह अच्छी जगह है.”
उन्होंने पिकनिक का सामान निकाला.
उन्होंने रेत पर एक मेज़पोश बिछा दिया.



“यहाँ खोज करने के लिये एक बड़ी गुफा है,”
जेह्मी ने चिल्ला कर कहा.
जेमिमा और वह भागकर गुफा में गए.
गुफा अँधेरी थी, डरावनी थी.

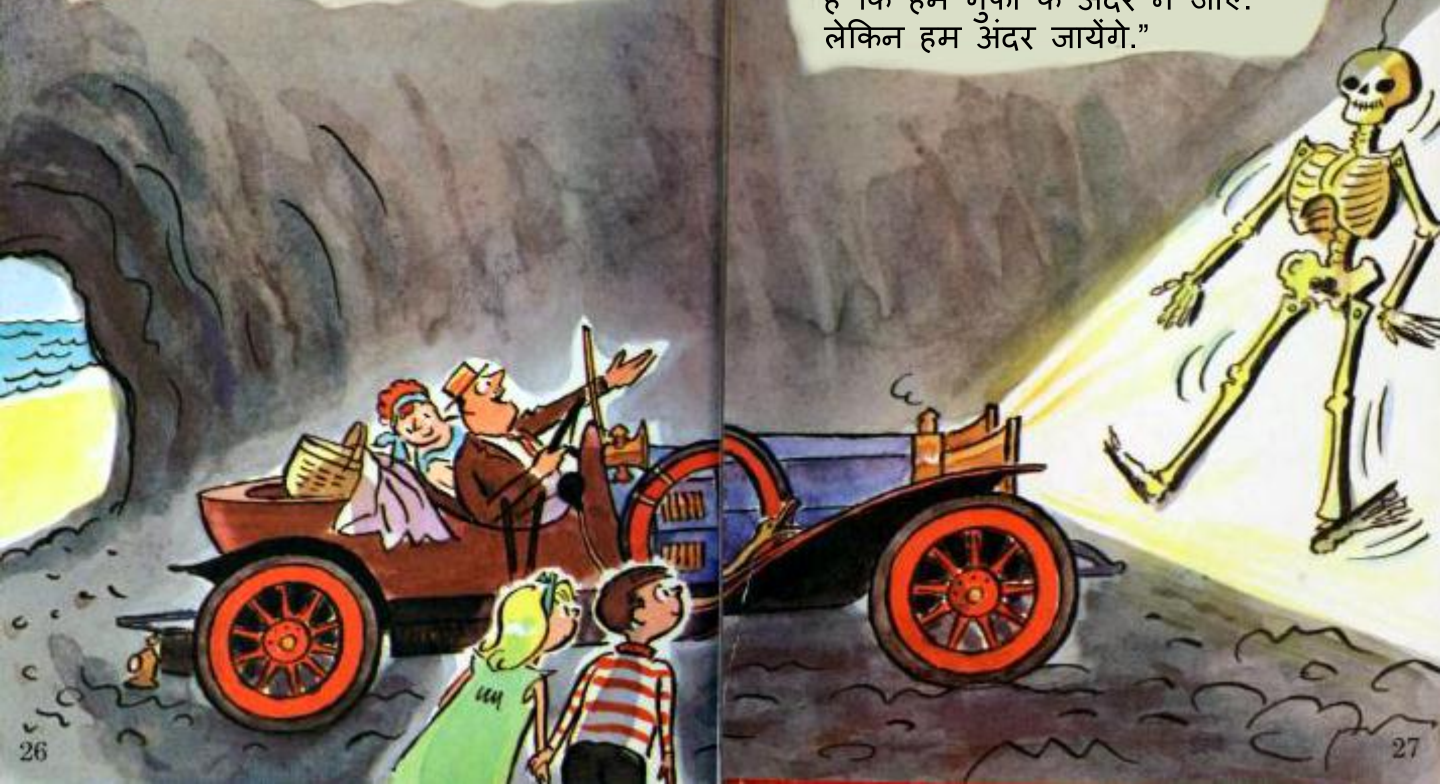


“देखो!” जेमिमा चिल्लाई.
वहां आगे एक कंकाल था.
वह आगे-पीछे झूल रहा था.
हवा में उसकी हड्डियां खड़खड़ा रहीं थीं.
जेमिमा डरकर चीखी.



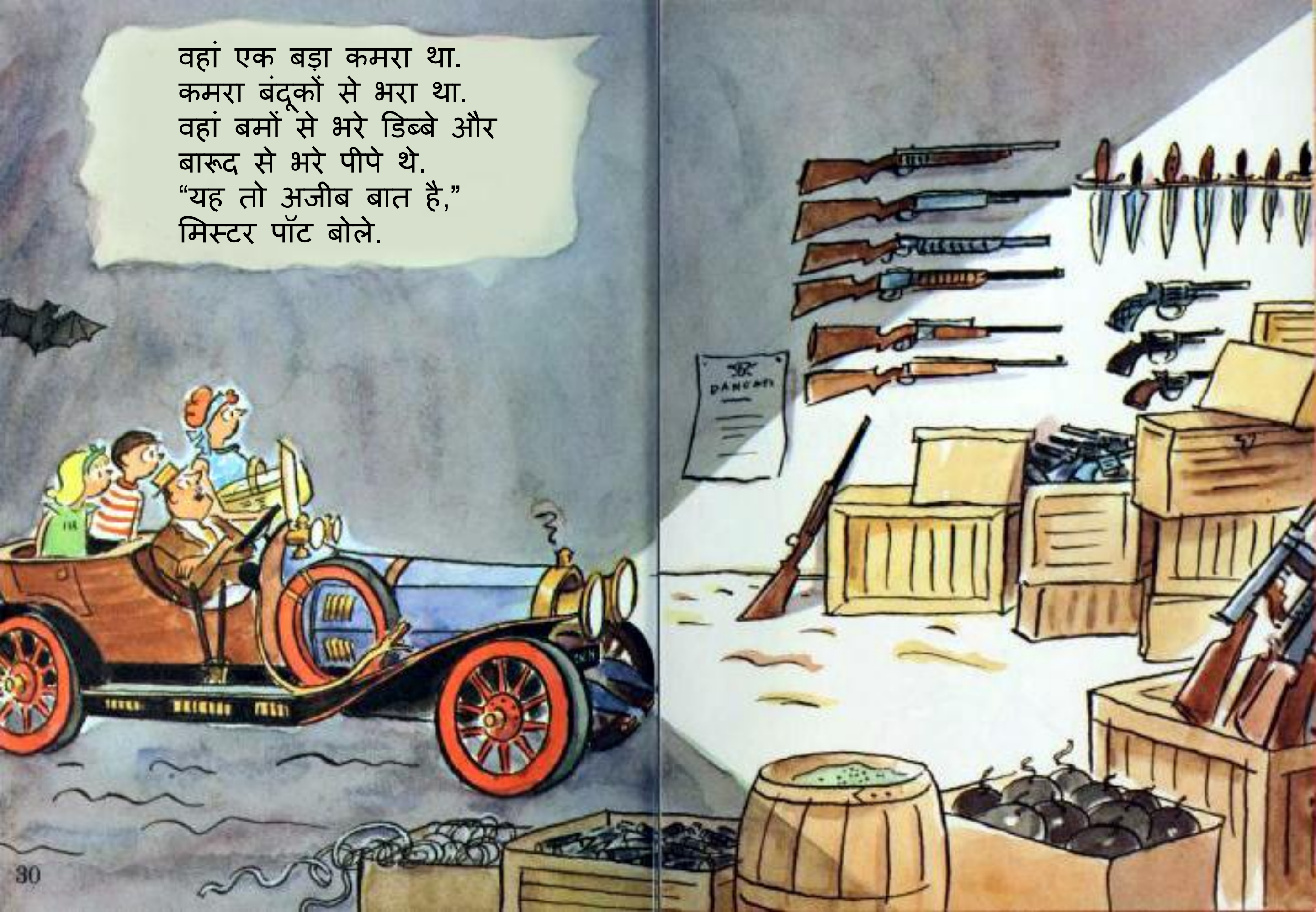
मिस्टर और मिसेज़ पॉट ने
उसकी चीख सुनी.
वह 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग' को
गुफा के अंदर ले आये.

"यह असली कंकाल नहीं है,"
मिस्टर पॉट बोले.
"यह तो नकली है. हमें डराने के लिये
किसी ने इसे यहाँ रखा है. कोई चाहता
है कि हम गुफा के अंदर न जाएँ.
लेकिन हम अंदर जायेंगे."




अँधेरी, डरावनी गुफा के अंदर
वह घुसते गए.
उनके सरों के ऊपर चमगादड़
उड़ रहे थे.
चट्टानों से पानी टपक रहा था.
सांप और मकड़े बाहर आ गये.
“वहां ऊपर क्या है?” जेह्मी चिल्लाया.

वहां एक बड़ा कमरा था.
कमरा बंदूकों से भरा था.
वहां बमों से भरे डिब्बे और
बारूद से भरे पीपे थे.
“यह तो अजीब बात है,”
मिस्टर पॉट बोले.



वहां उन्होंने एक नोटिस देखा.
नोटिस दीवार पर कील से
ठोंका गया था.
वह पास आकर पढ़ने लगे.



“मैं ज्ओ ‘दैत्य’ के बारे में जानता हूँ,”
जेह्मी बोला. “मैंने अख़बार में उसके
बारे में पढ़ा था. वह बैंक लुटेरा है!”
“यह उसकी ही गुप्त जगह होगी,”
जेमिमा ने कहा.



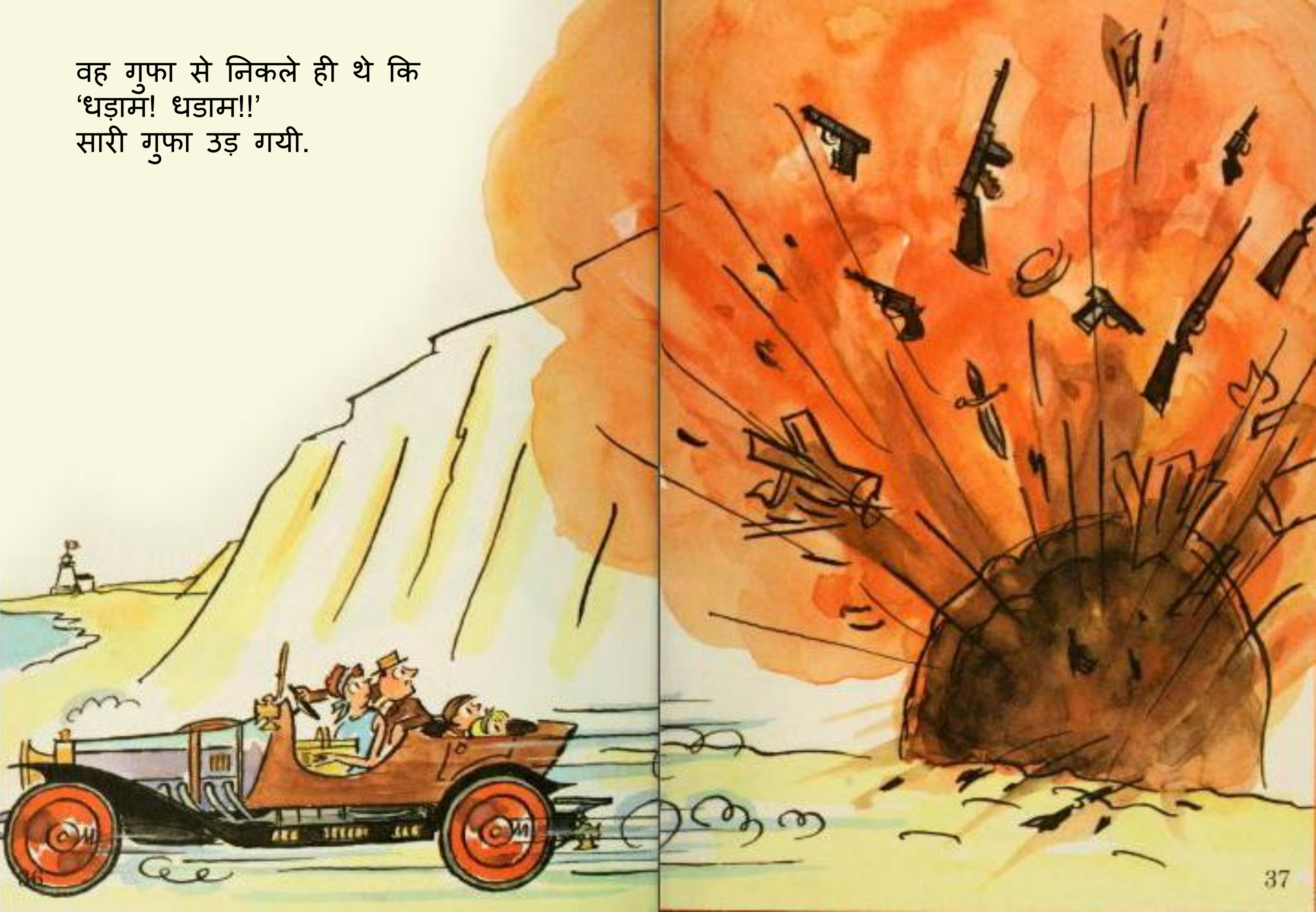


“चलो इस गोला-बारूद को उड़ा दें,”
जेह्मी ने कहा.
“यह अच्छा विचार है,” मिसेज़ पॉट ने कहा.
“फिर हम अपनी पिकनिक कर सकते हैं.”

मिस्टर पॉट ने फ्यूज का एक सिरा
बारूद के पीपे में रख दिया
और दूसरे सिरे को आग लगा दी.
फिर वह बोले,
“चलो, झटपट यहाँ से निकल चलें.”



वह गुफा से निकले ही थे कि
‘धड़ाम! धडाम!!’
सारी गुफा उड़ गयी.



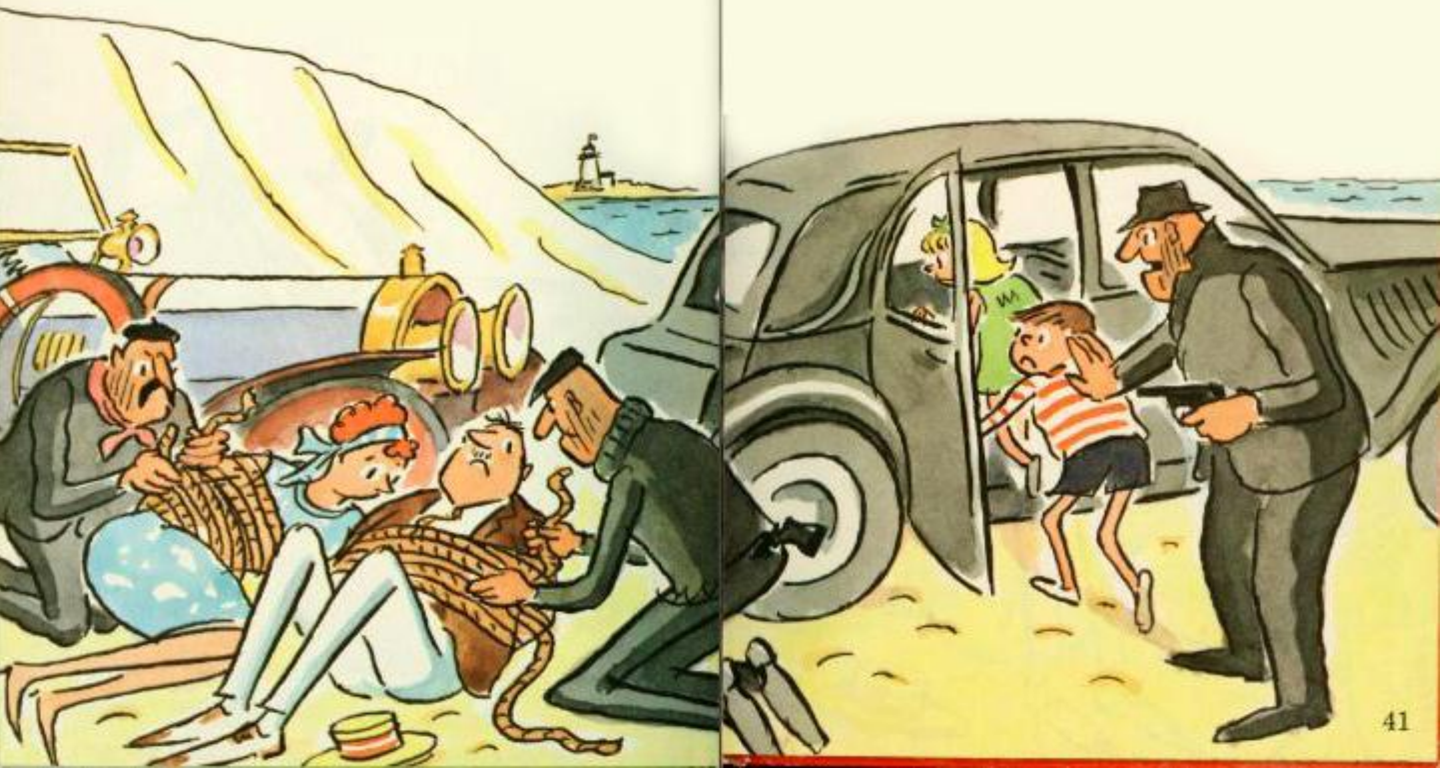
तभी एक बड़ी, काली कार आ पहुंची.
तीन आदमी कूद कर कार से बाहर आये.
उन्होंने अपनी बंदूकें पॉट परिवार पर तान दीं.
"हाथ ऊपर करो," उन में से एक चिल्लाया.

"वह ज़ओ 'दैत्य' है," जेह्मी ने कहा.
"मैंने अख़बार में उसकी तस्वीर देखी है."



“दोनों बड़ों के हाथ बाँध दो,”
ज़्ओ ‘दैत्य’ ने कहा. उसके साथियों ने
मिस्टर और मिसेज़ पॉट को बाँध दिया.
उनको खूब कस कर बाँधा.

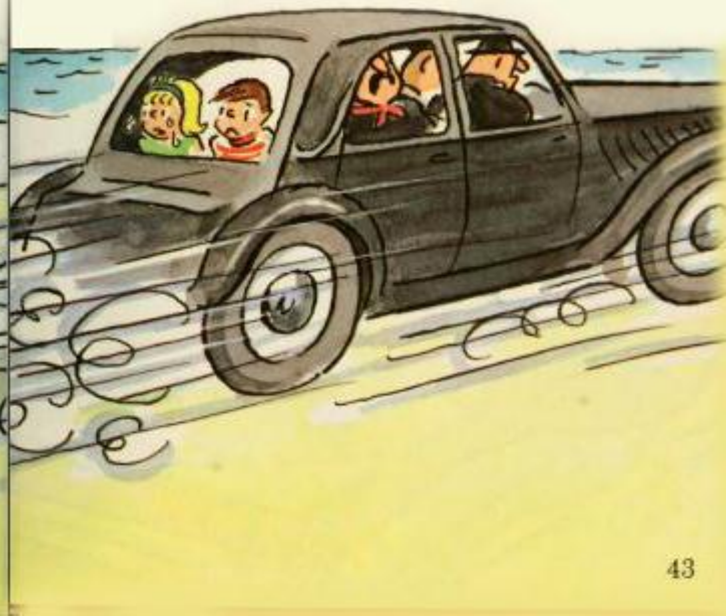
ज़्ओ ने जेह्मी और जेमिमा को
बड़ी, काली कार के अंदर धकेल दिया.
“हम इन बच्चों को पेरिस ले जायेंगे,”
उसने कहा. “फिरौती के लिये
इन्हें बंधक बनाकर रखेंगे.”



मिस्टर और मिसेज़ पॉट उठे.
पर वह अपने हाथ न खोल पाये.
बड़ी, काली कार को वहां से
जाते हुए वह देखते रहे.



जेह्मी और जेमिमा ने
बड़ी, काली कार से बाहर देखा.
जेमिमा रोने लगी.
“हम माता-पिता को फिर कभी
देख नहीं पायेंगे,” वह चिल्लाई.



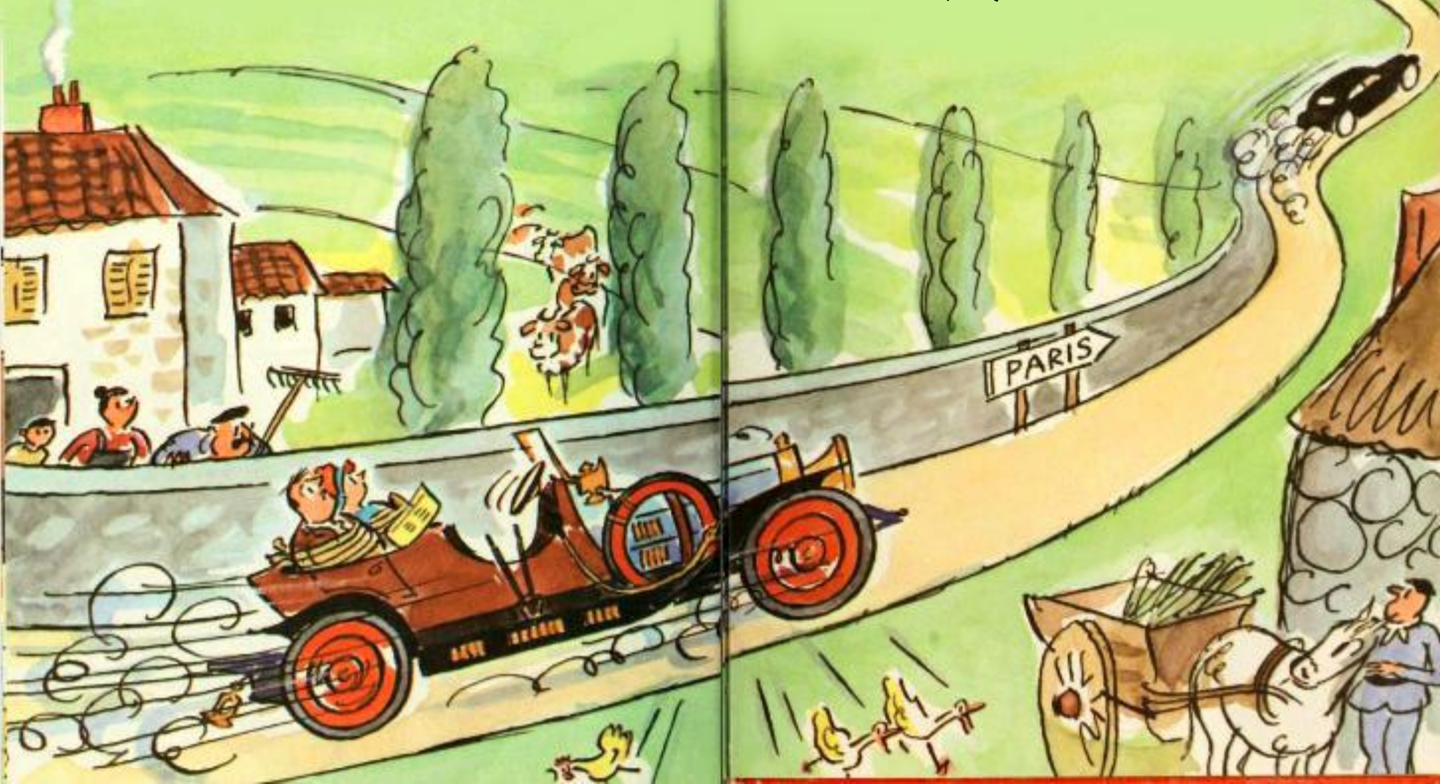
फिर ‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’ ने खांसा.
वह ज़ोर-ज़ोर से हिलने लगी.
फिर वह गुनगुनाने की आवाज़
करने लगी.

फिर उसने मिसेज़ पॉट को उठाया
और सीट पर बिठा दिया.
फिर उसने मिस्टर पॉट को उठाया.

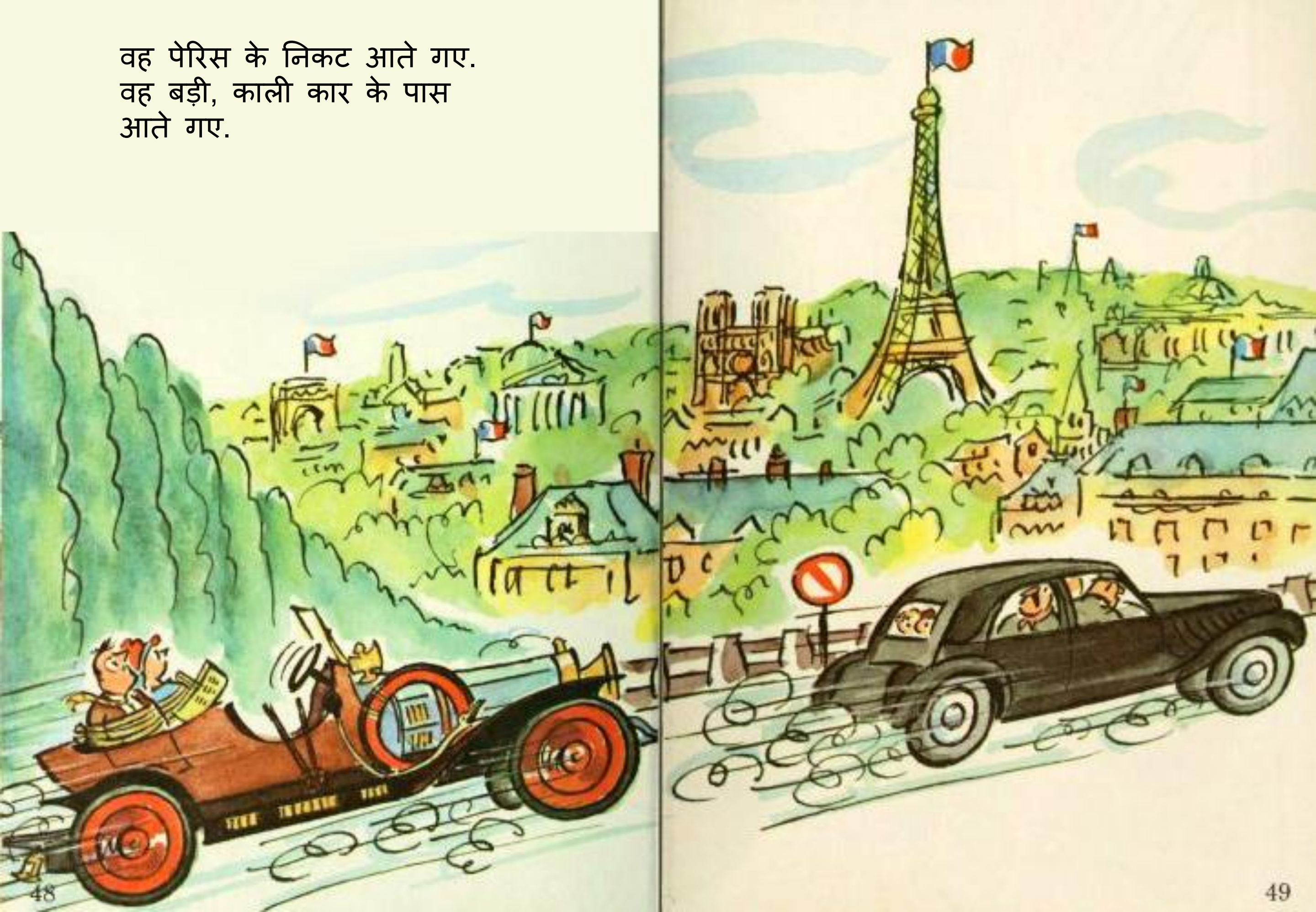


फिर 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग' पेरिस की
ओर जाने वाली सड़क पर चल पड़ी.
मिस्टर और मिसेज़ पॉट के हाथ
अभी भी बंधे हुए थे.

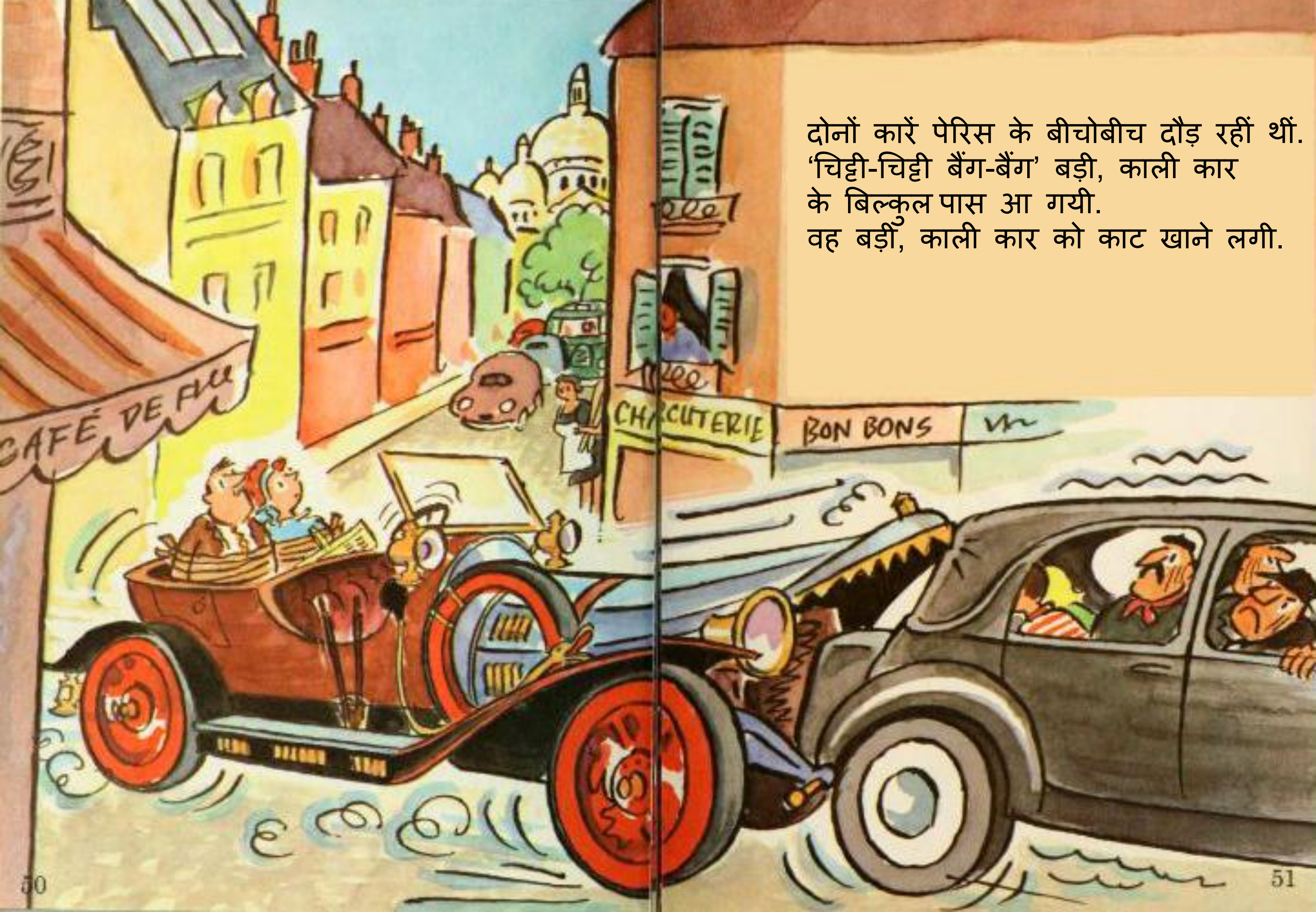
लेकिन 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग'
अपने आप चल रही थी!
वह सौ मील की रफ़्तार से दौड़ रही थी.
वह ज़्ओ 'दैत्य' और बड़ी काली कार
के पीछे दौड़ रही थी.



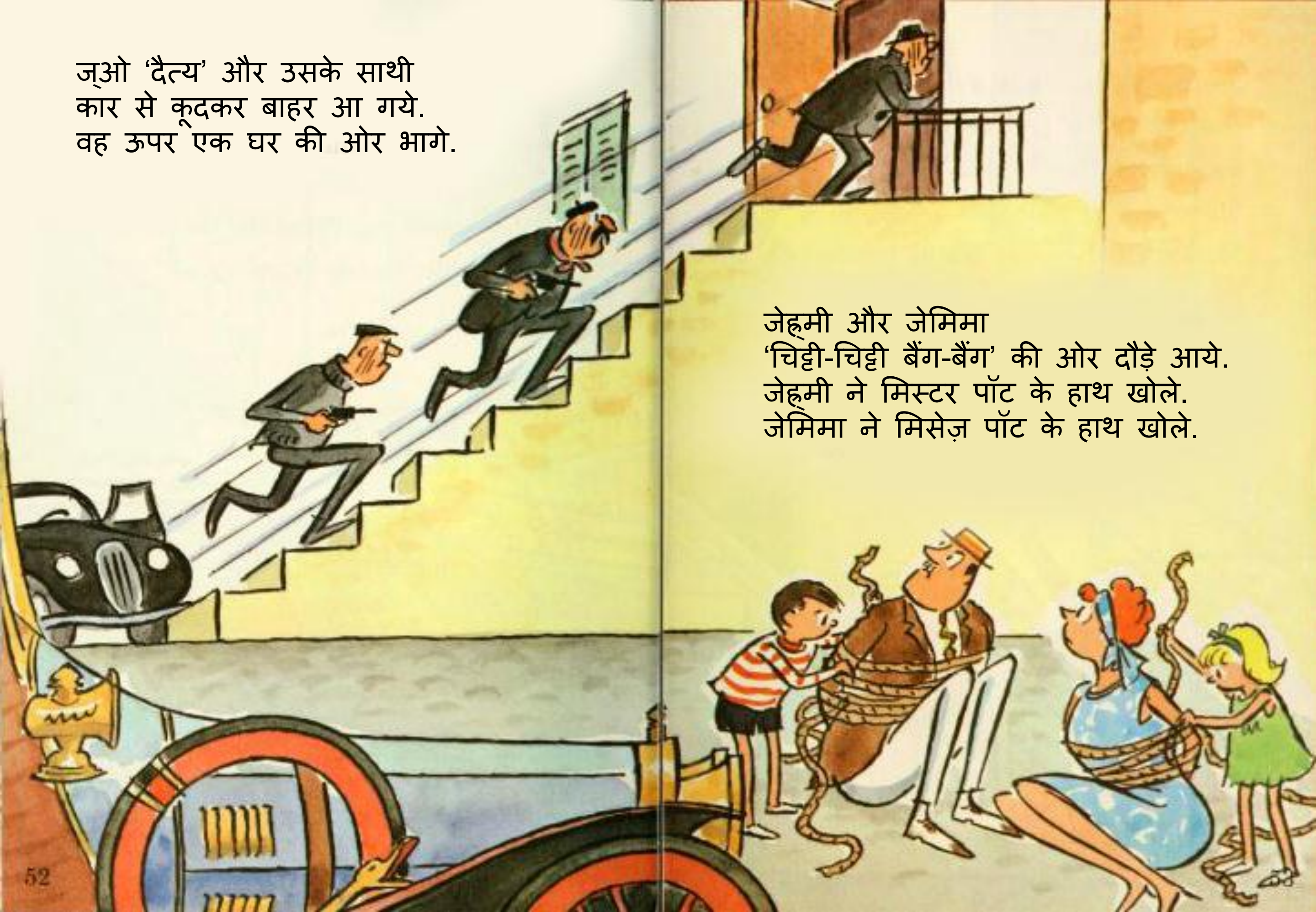
वह पेरिस के निकट आते गए.
वह बड़ी, काली कार के पास
आते गए.



दोनों कारें पेरिस के बीचोबीच दौड़ रहीं थीं.
‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’ बड़ी, काली कार
के बिल्कुल पास आ गयी.
वह बड़ी, काली कार को काट खाने लगी.

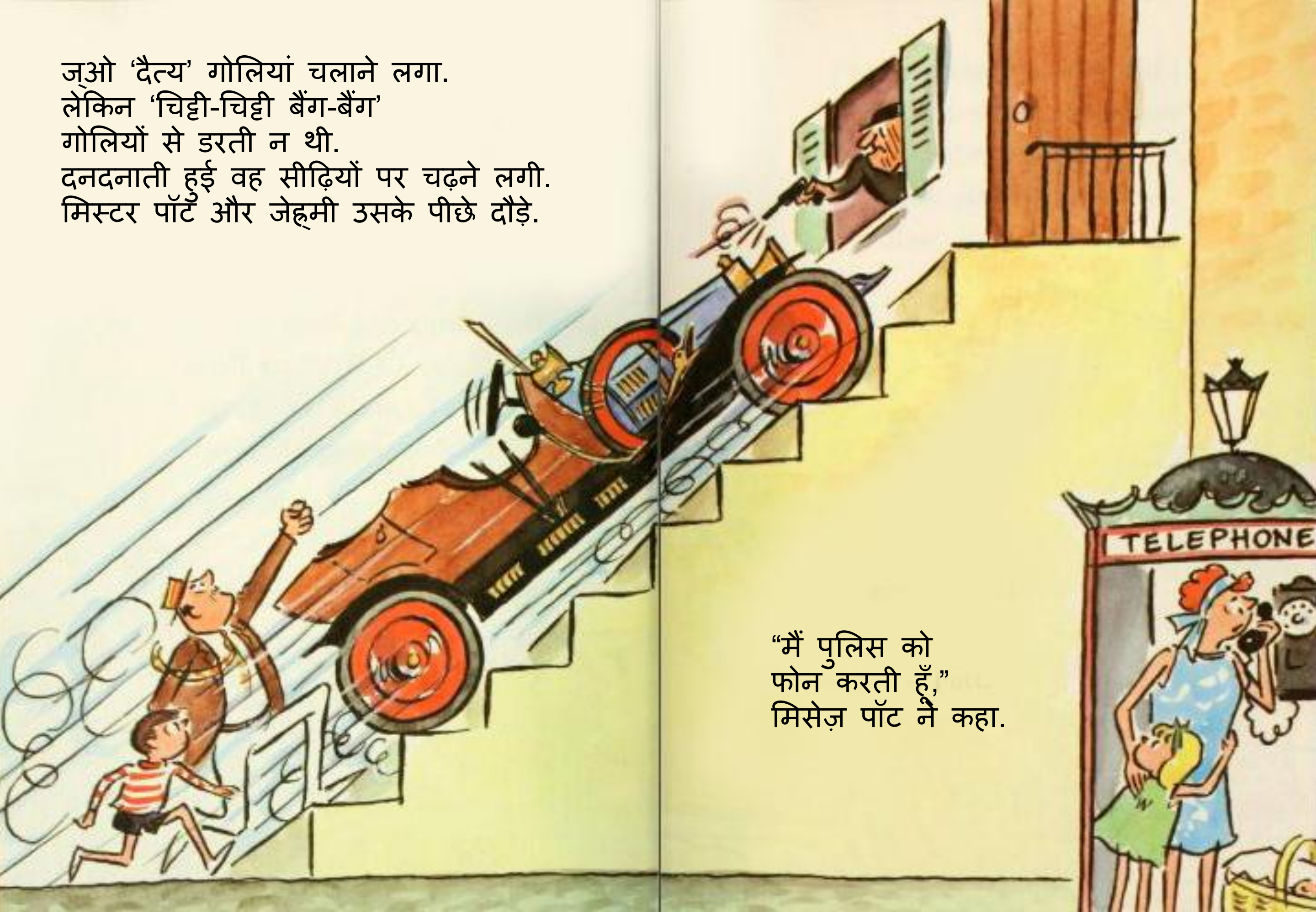


ज़्ओ 'दैत्य' और उसके साथी
कार से कूदकर बाहर आ गये.
वह ऊपर एक घर की ओर भागे.



जेह्मी और जेमिमा
'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग' की ओर दौड़े आये.
जेह्मी ने मिस्टर पॉट के हाथ खोले.
जेमिमा ने मिसेज़ पॉट के हाथ खोले.

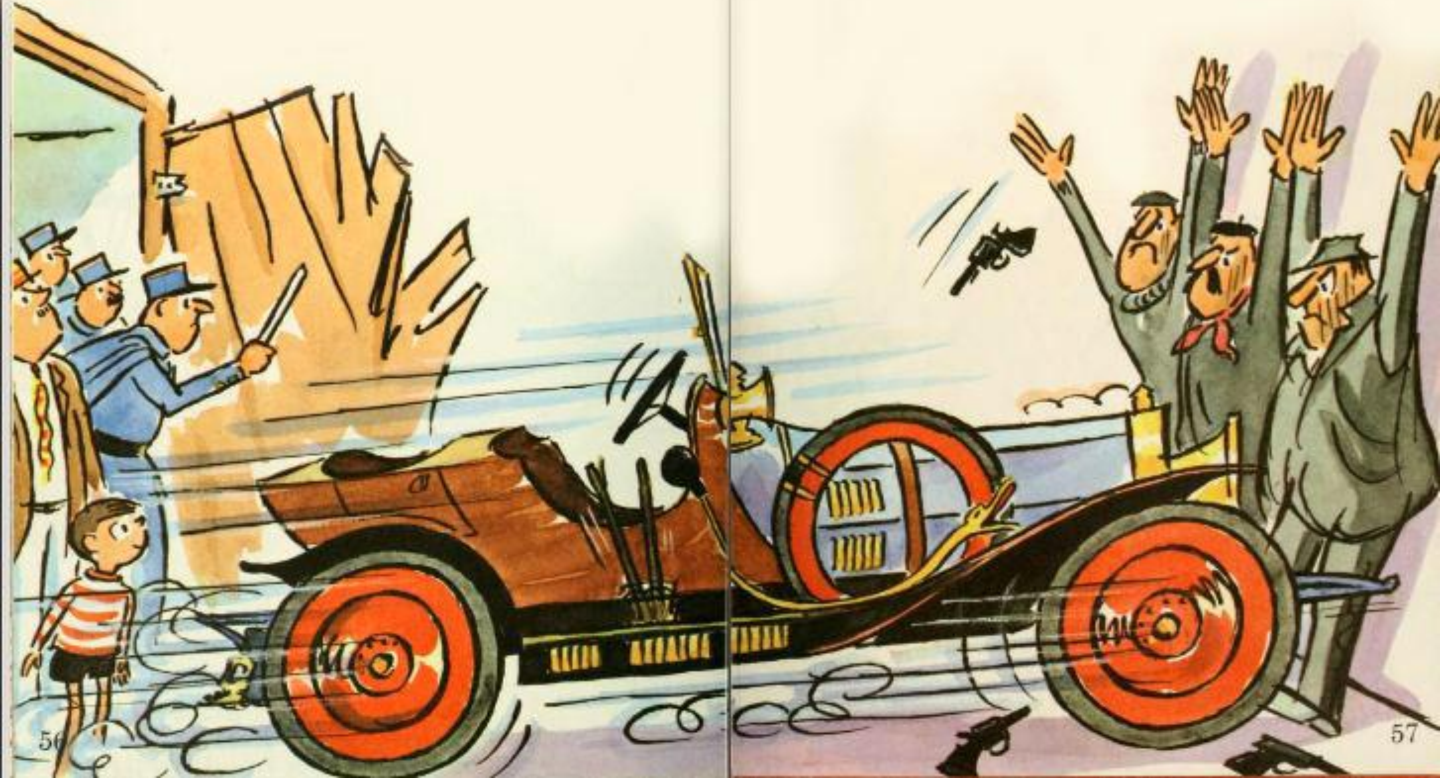
ज्ओ 'दैत्य' गोलियां चलाने लगा.
लेकिन 'चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग'
गोलियों से डरती न थी.
दनदनाती हुई वह सीढ़ियों पर चढ़ने लगी.
मिस्टर पॉट और जेह्मी उसके पीछे दौड़े.



"मैं पुलिस को
फोन करती हूँ,"
मिसेज़ पॉट ने कहा.

‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’
दरवाज़े से अंदर घुस गयी.
वह कमरे के पार दौड़ गयी.
उसने ज्ओ ‘दैत्य’ और उसके साथियों को
दीवार के साथ दबा दिया.

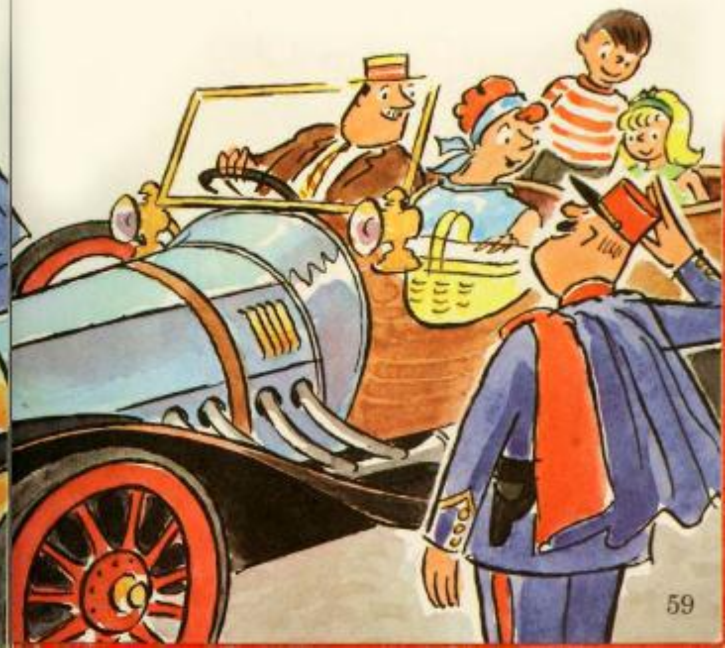
उसने इतनी ज़ोर से उन्हें दबाया कि
उनके हाथों से बंदूकें छूट कर गिर पड़ीं.
उसने पुलिस के आने तक
उन्हें दबाए रखा.



पुलिस ने ज़ूओ और
उसके साथियों को हथकड़ी लगा दी.
उन सब को एक साथ बाँध दिया.
उन सब को वह जेल ले गए.



फिर पुलिस के मुखिया ने
पॉट परिवार का धन्यवाद किया.
“आपने ज़ूओ को पकड़वाया,” उसने कहा.
“अब हम आप के लिए क्या कर सकते हैं?”
“कृपया कोई ऐसे जगह बताएं
जहां हम पिकनिक कर सकें,” मिसेज़ पॉट ने कहा.
“मुझे बहुत भूख लग रही है!”



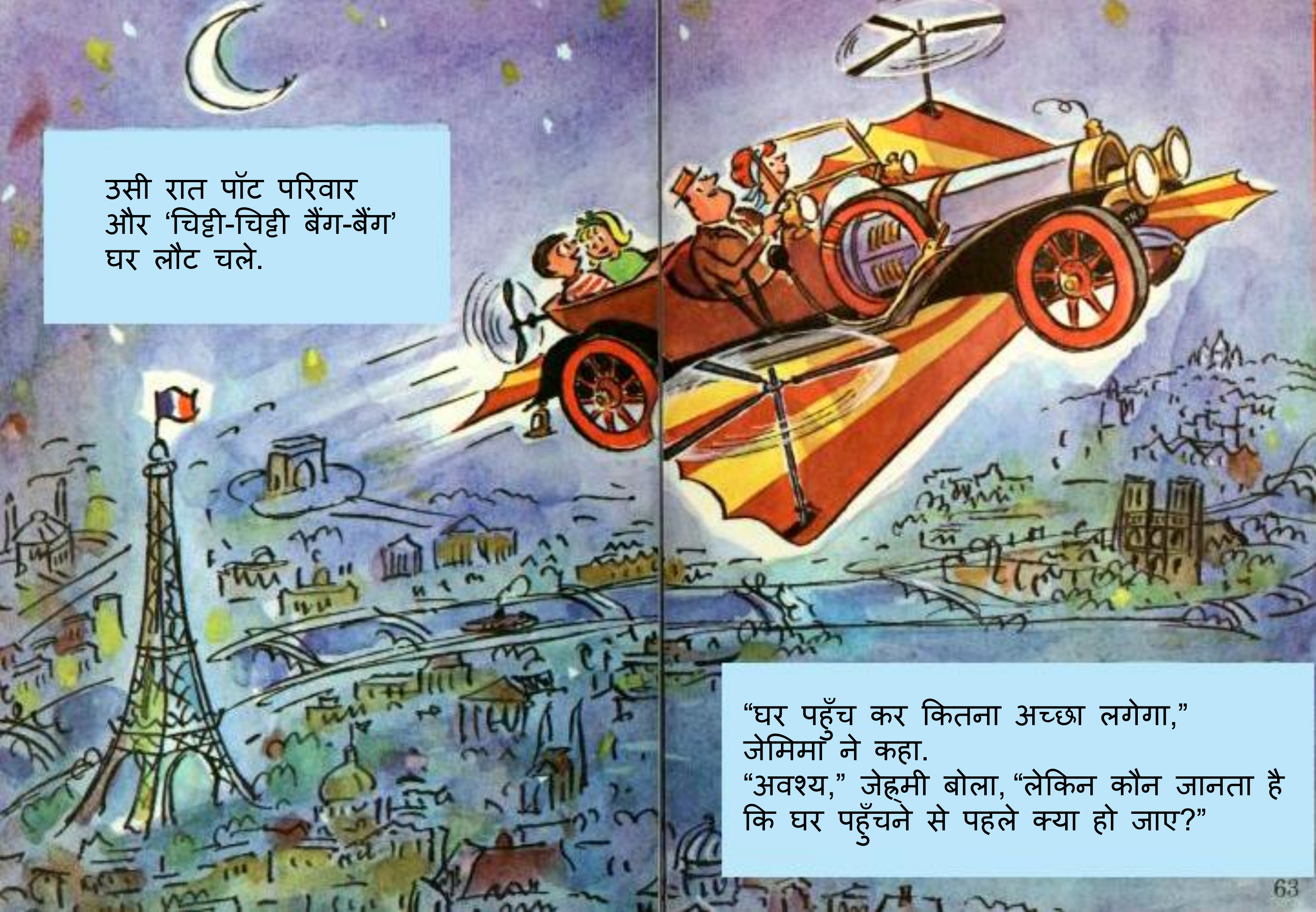
पुलिस का मुखिया उन्हें
एक सुंदर पार्क में ले गया.
वह सब बैठ कर खाने लगे.
“पीनट बटर आपको अच्छा लगा होगा,”
मिसेज़ पॉट ने पुलिस मुखिया से कहा.





‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’ ने भी खूब खाया.
फ्रांस की पुलिस ने उसे पेट्रोल पिलाया.
उसे पानी पिलाया.
उसे इतना धोया और चमकाया कि
वह नई सी लगने लगी.

उसी रात पॉट परिवार
और ‘चिट्टी-चिट्टी बैंग-बैंग’
घर लौट चले.



“घर पहुँच कर कितना अच्छा लगेगा,”
जेमिमा ने कहा.
“अवश्य,” जेह्मी बोला, “लेकिन कौन जानता है
कि घर पहुँचने से पहले क्या हो जाए?”

